अखिल भारतीय दर्शन–परिषद्

संक्षिप्त प्रतिवेदन

परिषद् के ५१वें अधिवेशन का उद्घाटन शुक्रवार दिनांक ५ जनवरी, २००७ को इलाहाबाद वि.वि. के सीनेट हाल में लगभग ३५० प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कुलपति प्रो. राजन जी. हर्षे की अध्यक्षता में पूर्वाह्न ११.०० बजे हुआ, जिसमें हरिद्वार के प्रो. जयदेव वेदालंकार ने सभापति की आसंदी से 'दर्शन की आदि दृष्टि' विषय पर अपना लिखित उद्बोधन दिया। इस अवसर पर प्रो. श्यामकिशोर सेठ का अभिनन्दन किया गया। स्वामी प्रणवानन्द दर्शन पुरस्कार डा. सिद्धेश्वर भट्ट को उनके ग्रन्थ *मानव की सेवा में विश्व के प्रमुख धर्म* पर, डा. पी.बी. विद्यार्थी स्मृति पुरस्कार डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा को उनके ग्रन्थ *सत्यकाम जाबाल का जीवन–दर्शन* पर तथा के.एस. नागर स्मृति पुरस्कार डा. डी.डी. बन्दिष्टे को उनकी पुस्तक *Philosophical Semi-colons* पर दिया गया। साहित्याचार्य डा. पन्नालाल जैन स्मृति युवा चिंतक पुरस्कार श्री भूपेन्द्र शुक्ल (वाराणसी) को उनके आलेख *जैन परम्परा में पर्यावरण* पर तथा को तथा स्वामी दयानन्द पुरस्कार डा. अनिल तिवारी (कानपुर) उनके आलेख *आर्यसमाज और नारी शिक्षा* पर दिया गया।

इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका के विमोचन के साथ परिषद् द्वारा प्रकाशित '*भारतीय दार्शनिक चिंतन,* खण्ड–तीन', *भारतीय मनोविज्ञान* (संशोधित संस्करण) तथा *दार्शनिक त्रैमासिक* (अद्यतन चार अंक) का लोकार्पण हुआ।

व्याख्यानमालाओं, संगोष्ठियों एवं विभागीय आलेख–वाचनों के कार्यक्रम सुचारु रूप से चले। हिमगिरि आध्यात्मिक शोध संस्थान, लोनावला के अनुदान से प्रारम्भ व्याख्यानमाला का प्रथम व्याख्यान पूर्वघोषित व्याख्याता डॉ. प्रतिमा जोशी की अनुपस्थिति में संस्थान की इच्छानुसार प्रो. डी.ए. गंगाधर (वाराणसी) ने प्रस्तुत किया। परिषद् की कार्य–समिति में निर्णय लिया गया कि आगामी अधिवेशन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में दिसम्बर, २००७ में डॉ. रामलाल सिंह (इलाहाबाद) के सभापतित्त्व में आयोजित होगा। परिषद् का आम सभा की बैठक में प्रो. एस.पी. दुबे को पुनः सर्वसम्मति से आगामी तीन वर्षों के लिए कार्यसमिति का अध्यक्ष चुना गया। अन्य पदाधिकारियों के मनोनयन के लिए अध्यक्ष को ही अधिकृत कर दिया गया।

अधिवेशन का समापन समारोह सीनेट हाल में रविवार दिनांक ७ जनवरी को अपराह्न ३.०० बजे डॉ. जनक पाण्डेय, अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, इ०वि०वि० के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इसमें निम्न लिखित पुरस्कार प्रदान किये गयेः

चार विभागीय डॉ० विजयश्री स्मृति युवा वर्ग पुरस्कार–

तत्त्वमीमांसा	–	सुश्री श्वेता पाठक (बोधगया)
तर्कशास्त्र एवं ज्ञानमीमांसा	–	श्री ऋषभ कुमार जैन (सागर)
नीति एवं समाजदर्शन	–	डॉ. क्षमा तिवारी (इलाहाबाद)
धर्म मीमांसा	–	डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव (लखनऊ)
श्रीमती कमला देवी जैन स्मृति पुरस्कार		
(सामान्य वर्ग के सर्वश्रेष्ठ आलेख हेतु)	–	डॉ. राजेश कुमार सिंह (पटना)

समापन समारोह में डॉ० गौरांगचरण नायक तथा डॉ० सिद्धेश्वर भट्ट ने अपने उद्‌गार व्यक्त किया। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान–परिषद्, नई दिल्ली को अधिवेशन के अनुदान हेतु एवं अयोजकों को, विशेषरूप से डॉ. मृदुला रविप्रकाश एवं डॉ. जटाशंकर को, अच्छी व्यवस्था हेतु आभार एवं धन्यवाद प्रकट करने के उपरान्त अध्यक्ष द्वारा अधिवेशन के समापन की घोषणा की गई।

अखिल भारतीय दर्शन–परिषद्

आज दिनांक ५.१.२००७ के संध्या ५.३० बजे अखिल भारतीय दर्शन परिषद् की कार्यकारिणी की बैठक श्री प्रकाश दुबे जी की अध्यक्षता में आरम्भ हुई। महामंत्री डॉ. डी.आर. भण्डारी ने जबलपुर में आयोजित पिछले अधिवेशन की कार्यकारिणी की बैठक के कार्यवृत्त को पढ़कर सुनाया। सदन ने ध्वनिमत से इसकी सम्पुष्टि कर दिया।

परिषद् के कोषाध्यक्ष की अनुपस्थिति में संयुक्त मंत्री डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने परिषद् के आय–व्यय का लेखा (Budget) प्रस्तुत किया जिससे सदन ने ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया। इसे अनन्तर परिषद् के अध्यक्ष डॉ. श्रीप्रकाश दुबे जी ने परिषद् द्वारा प्रकाशित एवं प्रकाश्य पुस्तकों की जानकारी सदन को प्रदान की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि परिषद् की पत्रिका **दार्शनिक त्रैमासिक** के सभी अंकों को संकलित करने की योजना है। उन्होंने इस कार्य हेतु परिषद् की सदस्यों का सहयोग भी मांगा।

दार्शनिक त्रैमासिक के प्रधान सम्पादक डॉ. रजनीश कुमार शुक्ल ने सदन को यह बतलाया कि परिषद् का Website तैयार हो चुका है। कतिपय कारणों से अगर किसी सदस्य को पत्रिका न मिल सके तो Website पर जाकर इसे उपलब्ध कर सकते हैं।

इसके अनन्तर अध्यक्ष महोदय ने १५ दिसम्बर से १८ दिसम्बर २००६ तक दिल्ली में आयोजित अन्तरिम विश्वदर्शन परिषद् सम्बन्धी सूचना कार्यकारिणी के सदस्यों को प्रदान की। उन्होंने बताया कि परिषद् ने अन्तरिम विश्वदर्शन महासभा में मानव एकता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन Interim World Philosophy Congress के साथ किया जिसमें विश्व के अनेक विदेशी एवं भारतीय दार्शनिकों ने भाग लिया।

अखिल भारतीय दर्शन–परिषद् का पूर्व निर्धारित ५२वां अधिवेशन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में आयोजित होगा। इसकी सूचना सदन को दी गई जिसे कार्यकारिणी ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के दर्शन शास्त्र विभाग की आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. गीता रानी अग्रवाल ने परिषद् के सदस्यों को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया और बताया कि अधिवेशन २३ से २५ दिसम्बर, २००७ तक की अवधि में आयोजित होने की सम्भावना है।

अकादमिक कार्यक्रम –

५२वें अधिवेशन के प्रधान सभापति – डॉ. रामलाल सिंह, इलाहाबाद

प्रतीक्षा सूची में – डॉ. सजीवन प्रसाद, पटना

विभागाध्यक्षः

१. नीति एवं समाज दर्शन – डॉ. जटाशंकर (इलाहाबाद)

२. तर्क और ज्ञानमीमांसा – डॉ. निर्मला झा (मुजफ्फरपुर)

३. धर्म मीमांसा – डॉ. राजीव रंजन सिंह (वाराणसी)

४. तत्त्वमीमांसा – डॉ. दिनेशचन्द्र श्रीवास्तव (कानपुर)

व्याख्यानमालाएं –

१.हिमगिरि आध्यात्मिक संस्थान व्याख्यान – डॉ. (श्रीमती) सुधा चौधरी, (उदयपुर)

२.वल्लभ वेदान्त – डॉ. एन.पी. तिवारी (पटना)

३.स्वामी प्रणवानन्द तुलनात्मक दर्शन – डॉ. एस.डी.के.सिन्हा (मुंगेर)

४.परमहंस योगानन्द तुलनात्मक धर्मदर्शन – डॉ. कुसुमकुमारी (बोधगया)

५.तुलनात्मक धर्म अकादमी (भारत) – डॉ.राकेशकुमार मिश्र (जम्मू)

६.प्रो. संगमलाल पाण्डेय स्मृति व्याख्यान – डॉ. (श्रीमती) मृदुला रविप्रकाश (इलाहाबाद)

७.स्वामिनारायण सेश्वर वेदान्त – डॉ.एल.जी.चिंचोलकर(नागपुर)

संगोष्ठियांः

वैश्वीकरण का नीतिशास्त्र –

खण्ड– अ : वक्तागण :–

१. डॉ. रोहतास कुमार सुथार – आदमपुर, हिसार (हरियाणा)

२. डॉ. एस.पी. पाण्डेय – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

३. डॉ. मधुबाला मिश्रा – जे.डी. इस्लामिया कॉलेज, सीवान

४. डॉ. राजेश कुमार सिंह – बी.एन. कॉलेज, पटना

५. डॉ. नागेन्द मिश्र – आर.पी.एम. कॉलेज, पटना सिटी

६. डॉ. अरविन्द विक्रम सिंह – राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

७. डॉ. तरुणेश्वर प्रसाद सिंह – बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय,

८. डॉ. सी.डी.एस. कौशल – कुरुक्षेत्र (हरियाणा)

९. डॉ. जयंत उपाध्याय – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

१०. डॉ. अरुणेश्वर झा – कैथल, हरियाणा

११. डॉ. आलोक टण्डन – हरदोई

१२. डॉ. विनोद कुमार चौधरी – नालन्दा

खण्ड– ब : वक्तागण :–

१. डॉ. सोहनपाल सिंह आर्य – हरिद्वार

२. डॉ. नवीन कुमार – मुजफ्फरपुर

३. डॉ. किस्मत सिंह – आरा

४. डॉ. भूपेन्द्र शुक्ल – बी.एच.यू., वाराणसी

५. डॉ. जयशंकर राय – बी.एच.यू.

६. डॉ. मनीषा सिंह – काशी विद्यापीठ

७. श्री विनोद कुमार कटारे – भोपाल

८. डॉ. रजनीश शुक्ल – नई दिल्ली

९. डॉ. मृत्युंजय कुमार – भागलपुर

१०. डॉ. सुनील कुमार सिंह – हाजीपुर

११. डॉ. चन्द्र भूषण सिंह – सीवान

१२. डॉ. रंजना झा – मुजफ्फरपुर

देहात्मवाद –

१. डॉ. राम बहादुर शुक्ल – जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू

२. डॉ. हरे राम त्रिपाठी – श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ

३. डॉ. केदार प्रसाद परोहा – श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

४. डॉ. शुद्धानन्द पाठक – श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

५.	प्रो. रवीन्द कुमार सिंह	–	आर.एन. कॉलेज हाजीपुर (बिहार)
६.	डॉ. सच्चिदानन्द मिश्र	–	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
७.	डॉ. विजय कुमार	–	पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी
८.	डॉ. श्याम किशोर सिंह	–	ए.बी.एस.कालेज,लालगंज, मुजफ्फरपुर
९.	डॉ. प्रमोद कुमार सिंह	–	बी.एच.यू.
१०.	डॉ. मनोज कुमार तिवारी	–	बी.एच.यू.
११.	प्रो. रमेश कुमार द्विवेदी	–	वाराणसी
१२.	डॉ. शिवशंकर मिश्र	–	उत्तरांचल संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
१३.	डॉ. रंजय कुमार सिंह	–	कानपुर

अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद देने के उपरान्त बैठक के समापन की घोषणा की गई।

अखिल भारतीय दर्शन–परिषद्

आम–सभा का कार्यवृत्त

आज दिनांक ६.१.०७, दिन शनिवार, अपरान्ह ५.३० बजे अखिल भारतीय दर्शन परिषद् के ५१वें अधिवेशन की आम सभा की बैठक परिषद् अध्यक्ष डॉ. एस.पी. दुबेजी की अध्यक्षता में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सीनेट हाल में आरम्भ हुआ। परिषद् के महामंत्री डॉ. डी.आर. भण्डारी ने पिछले ५०वें अधिवेशन की आम सभा के कार्यवृत्त को पढ़कर सुनाया। परिषद् के समस्त स्थाई सदस्यों ने ध्वनिमत से इसकी सम्पुष्टि की। इसके अनन्तर डॉ. एस.पी. दुबे (अध्यक्ष) ने पूर्व प्रस्तावानुसार जबलपुर में परिषद् के स्थायी कार्यालय/भवन के बारे में चर्चा की। वर्तमान में यह कार्यालय रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग में चल रहा है। इस क्रम में उन्होंने बताया कि तात्कालिक रूप से परिषद् कार्यालय को जबलपुर स्थित गीता धाम में स्थानांतरित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री दर्शन शास्त्र के विद्यार्थी रहे हैं अतः उनसे मिलकर दर्शन परिषद् के स्थायी भवन हेतु भूखण्ड स्वीकृत कराया जा सकता है। अनुदान एवं परिषद् के सदस्यों के आर्थिक सहयोग से एक भवन–निर्माण का कार्य भी सम्भव हो सकता है। सदस्यों ने उनके सुझाव का अनुमोदन किया एवं इस संबंध में आगे कार्यवाही के लिये अधिकृत किया। इसके अनन्तर परिषद् के संयुक्त मंत्री डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने इलाहाबाद में दिनांक ५.१.०६ को सम्पन्न परिषद् की कार्यकारिणी की बैठक के कार्यवृत्त को पढ़कर सुनाया। परिषद् ने इसकी सम्पुष्टि की। अकादमिक कार्यक्रम में संगोष्ठियों के वक्ताओं की सूची में कुछ और नाम जोड़ने के आम सभा के सुझाव को स्वीकार कर लिया गया तथा संयुक्त मंत्री डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव को यह निर्दिष्ट किया गया कि वे सदन के अनुमोदनानुसार कुछ और नाम सूचियों में जोड़ दें। डॉ. निर्मला कुमारी झा ने परिषद् के ५२वें अधिवेशन के प्रधान सभापति की प्रतीक्षा सूची में डॉ. एस.एन. चौधरी हाजीपुर का नाम प्रस्तावित किया जिसे सदन ने सहमति प्रदान किया।

इसके अनन्तर परिषद् के कोषाध्यक्ष ने विगत वर्ष के आय–व्यय का लेखा प्रस्तुत किया जिसे सदन ने पारित कर दिया। तदुपरान्त अध्यक्ष महोदय ने परिषद् के भावी प्रकाशन के सम्बन्ध में कुछ योजनाओं की चर्चा की। उन्होंने यह सुझाव दिया कि अगर परिषद् के सदस्यों के पास पाण्डुलिपि है तो

उसकी गुणवत्ता के आकलन के पश्चात् उसे प्रकाशित कराया जा सकता है। अगर कोई अप्रकाशित शोध प्रबन्ध सदस्यों के पास है तो संशोधित कर उसे भी प्रकाशित कराया जा सकता है।

इसके अनन्तर प्रधान सम्पादक रजनीश शुक्ल ने इलेक्ट्रोनिक मीडिया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए व्दसपदम श्रवनतदंस के रूप में परिषद् के द्विभाषाई त्रैमासिक पत्रिका के विषय में बताया। इस क्रम में डॉ. पूर्णेन्दु शेखर का सुझाव आया कि प्रकाशन की वित्तीय वृद्धि को देखते हुए परिषद् की सदस्यता शुल्क को बढ़ाना चाहिये। इसका अनुमोदन सदन ने किया। अध्यक्ष महोदय ने अगले वि ीय वर्ष से सदस्यता शुल्क बढ़ाने के विचार पर अपनी सहमति प्रदान की।

तदनन्तर परिषद् के पदाधिकारियों के त्रिवार्षिक चुनाव का प्रस्ताव सदन में अध्यक्ष महोदय के द्वारा लाया गया। इस पर डॉ. एस.एन. चौधरी, डॉ. रमेशचन्द्र सिन्हा, डॉ. निर्मला झा आदि अनेक लोगों ने परिषद् के अध्यक्ष के रूप में डॉ. एस.पी. दुबे के नाम का प्रस्ताव किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया। इस पद हेतु डॉ. छाया राय का नाम डा. मंगला चिंचोरे द्वारा प्रस्तावित हुआ पर सदन के समुचित समर्थन के अभाव में उसे उनके ही द्वारा वापस ले लिया गया। परिषद के शेष पदाधिकारियों के चयन के सम्बन्ध में सदन में आम राय यह बनी कि अध्यक्ष को अपने विवेक के आधार पर कार्यकारिणी का गठन कर लेना चाहिये। अतः परिषद् के अन्य पदाधिकारियों के मनोनयन का भार सर्वसम्मति से अध्यक्ष महोदय को दे दिया गया।

इसके पश्चात् डॉ. रजनीश शुक्ल ने एक सामान्य प्रस्ताव किया, जो इस प्रकार हैः

'दर्शन व्यक्ति को संस्कारित करने एवं उसे जीवन में सामाजिक दायित्व की पूर्ति हेतु श्रेष्ठ नागरिक बनाने का सशक्त माध्यम है। दर्शन का अध्यापन स्कूल स्तर पर न होने के कारण व्यक्ति को संस्कारित करने तथा उसे परिपूर्ण बनाने वाली इस विद्या का समुचित योगदान नहीं हो पा रहा है। इसकी पूर्ति हेतु यह आवश्यक है कि अखिल भारतीय स्तर पर सभी राज्यों में १०+२ पाठ्यक्रमों में इसके अध्यापन की व्यवस्था हो। अखिल भारतीय दर्शन–परिषद् का यह ५१वां अधिवेशन केन्द्र एवं राज्य सरकारों से यह अनुरोध तथा अनुशंसा करता है कि श्रेष्ठ समाज के निर्माण, संस्कार युक्त शिक्षा परिसर

के विकास तथा राष्ट्रीय आकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं की पूर्ति में समर्थ युवा पीढ़ी के निर्माण के लिये यथाशीघ्र स्कूल स्तर पर दर्शन की पढ़ाई की व्यवस्था करें।

परिषद् के इस अधिवेशन का यह भी आग्रह है कि दर्शनशास्त्रा के सभी उच्च पदस्थ अध्येता विविध स्थानों एवं स्तरों पर इसके लिये आवश्यक प्रयास करें।'

इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

परिषद् के दो सदस्य डॉ. दशरथ सिंह, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा एवं डॉ. ब्रजनंदन रावत, पूर्व कुलपति, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के निधन पर शोक प्रस्ताव लाया गया तथा उनकी आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा गया। तदुपरान्त अध्यक्ष को धन्यवाद प्रदान कर सभा विसर्जित हो गयी।

अखिल भारतीय दर्शन–परिषद् परिषद् के पदाधिकारी

अध्यक्ष	–	प्रो. एस.पी. दुबे (जबलपुर)
उपाध्यक्ष	–	१) प्रो. जटाशंकर (इलाहाबाद) २) डॉ. आर.के. देसवाल (कुरुक्षेत्र) ३) डॉ. बी.एन. ओझा (पटना)
महामंत्री	–	डॉ. अम्बिकादत्त शर्मा (सागर)
मंत्री	–	१. डॉ. राजकुमारी सिन्हा (रांची) २. डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव (नालंदा)
संयुक्त मंत्री	–	१. डॉ. कालीचरण पाण्डेय (गोरखपुर) २. डॉ. चन्द्रशेखर (जोधपुर) ३. डॉ. पूर्णेन्दु शेखर (भागलपुर)
कोषाध्यक्ष	–	डॉ. गायत्री शर्मा (रायपुर)
प्रधान सम्पादक	–	डॉ. रजनीश कुमार शुक्ल (वाराणसी)
सम्पादक	–	१) डॉ. आनन्द मिश्र (वाराणसी) २) डॉ. ज्योति स्वरूप दुबे (जबलपुर) ३) श्री ई.आर. मठवाले (नांदेड़)

सम्पादन परामर्श –समिति

१. प्रो. राकेश कुमार मिश्र (जम्मू)
२. डॉ. सुधा चौधरी (उदयपुर)
३. डॉ. विजयकान्त दुबे (ज्ञानपुर)
४. डॉ. विभा मुकेश (गढ़वाल)
५. डॉ. रोहतास कुमार सुथार (सिरसा)
६. डॉ. निर्मला कुमारी झा (मुजफ्फरपुर)
७. डॉ. श्यामल किशोर (सोहसराय)
८. डॉ. अवधेश कुमार सिंह (बेगूसराय)